रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 ● अंक – 01 ● कानपुर 1 से 15 जनवरी 2025 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

2025 में लक्ष्य को प्राप्त करके ही रहेंगे – इदरीसी

आडिटोरियम में महात्मा मैटी का जन्म दिवस धूम– धाम से मनाने की तैयारी

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का प्रशासनिक कार्यालय में रंग–रोगन का कार्य प्रगति पर

वर्ष 2025 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये जो लक्ष्य हमने निर्धारित किया है उसे हर हाल में पाना ही होगा, इसके लिये चाहे जितने भी प्रयास मुझे व मेरे साथियों को करना पड़े वह प्रयास हम सब मिलकर करेंगे लक्ष्य प्राप्ति ही वर्ष 2025 की हमारी प्रथम वरीयता है यह उदगार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी ने वर्ष 2024 में हुये कार्यों की समीक्षा बैठक में व्यक्त किये।

डा0 इदरीसी ने कहा कि वर्ष 2024 के लिये हमने जो लक्ष्य निर्धारित किये थे उन्हें पूरे तौर पर नहीं प्राप्त कर सके परन्तु संतोष इस बात का है कि लक्ष्य के प्राप्ति के लिये पूरी ईमानदारी के साथ प्रयास किये गये, हम लक्ष्य के करीब तक पहुँचे और अब जो कुछ भी नहीं पा पाये वह वर्ष 2025 में अवश्य प्राप्त करेंगे, हम इस बात से संतुष्ट नहीं हो सकते कि जो कुछ भी मिला है वही काफ़ी है अपितु हमारी संतुष्टि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति से ही होगी डा0 इदरीसी ने कहा कि लक्ष्य तक हम क्यों नहीं पहुँच सके ? इस पर गंभीरता से चिन्तन किया जायेगा और जो कमियां हैं उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे, लक्ष्य की प्राप्ति में सभी का सहयोग आवश्यक है, हमें अपने बोर्ड के साथियों का व कार्यकर्ताओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ है परन्तु चिकित्सकों के द्वारा जो सहयोग मिलना चाहिये वह नहीं मिल पा रहा है यह हमारे लिये चिन्ता का नहीं वरन विचारणीय विषय है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आन्दोलन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ–साथ इस विधा के चिकित्सकों को स्थापित करवाने के लिये ही है इसलिये जिसके लिये प्रयास किया जा रहे हैं उन्हीं की सहभागिता नहीं हो तो बात चिन्तन की बनती है।

शासकीय स्तर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करवाने के लिये जो प्रयास बोर्ड द्वारा किये गये हैं उसमें अधिकांश में शत–प्रतिशत सफ़लता प्राप्त हो चुकी है और जो एक आधे प्रकरण लाम्बित हैं उनका भी निस्तारण शीघ्र ही हो जायेगा, चिकित्सकों के पंजीयन के विषय पर जो कार्यवाही हमें करनी थी हमने की, शासन का पूरा सहयोग मिला परन्तु इस विषय पर चिकित्सक अपनी उदासीनता नहीं छोड़ पाये जिससे लड़ाई में वह धार नहीं आ पा रही है परन्तु इन छोटी–छोटी बातों से हम कदाचित विचलित नहीं हैं अपितु यह तो हमें लड़ाई की नई दिशा तय करने की ऊर्जा प्रदान करते हैं, शिक्षा के क्षेत्र में हमने गुणात्मक परिवर्तन का जो संकल्प लिया था उसे काफ़ी हद तक प्रभावी बनाने का प्रयास किया है, मान्यता के लिये अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भांति स्थापित मापदण्डों को फ़िलहाल लागू तो नहीं कर सकते हैं परन्तु उनके समकक्ष पहुँचने का प्रयास प्रारम्भ कर दिया है पाठ्यक्रमों के उच्चीकरण का काम प्रारम्भ हो चुका है इसके लिये बोर्ड की पाठ्यक्रम समिति को दायित्व भी सौंपा जा चुका है, कुछ दिनों के अन्दर ही यह कमेटी अपनी रिपोर्ट हमें सौंप देगी, जिस पर प्रबन्ध समिति सकारत्मक निर्णय लेगी, हमें इस बात का संतोष है कि छात्र संख्या के सम्बन्ध में हमने जो लक्ष्य निर्धारित किया था उसे पूरा तो नहीं कर सके परन्तु लक्ष्य के आस पास हैं।

यह सारी बातें हमें कार्य करने की प्रेरणा देती हैं परेशानियां और समस्यायें तो आती ही रहती हैं और उनके समाधान भी हमें ही खोजने होते हैं मुझे नहीं समझ में आता है कि दुनिया में ऐसी कोई समस्या हो जिसका समाधान न हुआ हो, वर्ष 2024 में आरोपों और प्रत्यारोपों का दौर भी चला लेकिन हम इन सबसे बेख़बर होते हुए अपने काम में लगे रहे हमारे कुछ साथियों ने बोर्ड की अधिकारिता पर ही प्रश्नचिन्ह लगाने का प्रयास किया हर तरह के कुचक्र रचे, कुटनीतिक चालें चलीं परन्तु सत्य कभी पराजित नहीं होता है, कष्ट अवश्य हुआ लेकिन जो परिणाम आये वह कुचक्र रचने वालों को घोर निराशा का सामना करना पड़ा।

4 जनवरी 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए पारित आदेश के सन्दर्भ में भी भ्रान्तियां फैलायी गयीं उत्तर भारत के हमारे कुछ साथियों ने चन्द ज़िला स्तर के अधिकारियों से सांठगांठ करके एक नई दिशा व नई अधिकारिता निर्मित करने का प्रयास किया और इसका दुष्प्रचार भी खूब किया यह सूचना जैसे ही हमें प्राप्त हुई अविचलित भाव से हमने पूरे सन्दर्भ का गम्भीरता से अध्ययन किया और उसपर कार्यवाही की, हमारे एक ही पत्र ने अधिकारियों को सही रास्ते पर ला दिया और जो सत्य था उसे स्थापित किया।

इस तरह की लड़ाईयां लड़ते हुए हमें आगे बढ़ना है और लक्ष्य प्राप्त करना है, डा0 इदरीसी ने कहा कि वर्ष 2024 ज़्यादा उठापटक वाला नहीं रहा, जो जहां, जैसे था धीरे–धीरे कार्य करता रहा परन्तु जो अपेक्षा हमने की थीं उसकी प्राप्ति नहीं हुई ख़ैर यह कोई चिन्ता की बात नहीं है लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं और उन तक पहुंचने का पूरा प्रयास किया जाता है और यदि इन प्रयासों से 51 प्रतिशत से ज़्यादा सफ़लता मिल जाये तो इसे लक्ष्य प्राप्ति ही मानना चाहिये।

चूंकि हमारी संस्था उत्तर प्रदेश आधारित है, किन्तु कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारत है शिक्षण और प्रशिक्षण का कार्य विशेषतयः विधि सम्मत ढंग से बोर्ड उत्तर प्रदेश में ही करता है और यह प्रयास करता है कि बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बन्धित जितने भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट व स्टडी सेन्टर संचालित हो रहे हैं वह अपना कार्य सुचारू रूप से करें और छात्रों को ऐसी शिक्षा दें जिससे कि वह समाज में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास कर सकें अब वस्तुतः वह समय आ गया है जब कार्य पर ज़ोर देना होगा कभी–कभी तो हम यह सोचने को मजबूर हो जाते हैं कि आज़ादी के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की तरह कई अन्य पद्धतियां मान्यता के लिए पंक्ति में थीं उनको तो मान्यता मिल गयी लेकिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता नहीं मिल पायी, इसके लिए प्रयास भी किये गये हैं लेकिन सरकार की तरफ़ से जो कदम उठाये जाने चाहिये वह उठाये तो गये हैं लेकिन पर्याप्त नहीं है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अभी भी बहुत कार्य करना है हम चिकित्सकों का आवाहन करते हैं कि जितना प्रयास हम कर रहे हैं वह सिर्फ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करते हुए हमें कार्य का सहयोग दें, हमने हर चिकित्सक से अपेक्षा की थी और यह निर्देश भी दिये थे कि प्रदेश में विधि सम्मत ढंग से चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए प्रदेश में स्थापित नियमों का पालन करना होगा इसलिए प्रत्येक चिकित्सक को अपने पंजीयन का आवेदन अपने ज़िले के ज़िला प्रभारी/क्षेत्रीय कार्यालय में कराना होगा।

यह सन्देश हर चिकित्सक तक पहुंचे इसके लिए हमने प्रचार के हर माध्यम का प्रयोग किया, जितना हमसे सम्भव हो पाया वह प्रयास किये गये और आज भी किये जा रहे हैं हर जनपद तक हमारे चिकित्सकों को सन्देश मिले इस उद्देश्य से बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने हर चिकित्सक को भली भांति अवगत कराने का प्रयास किया इसीलिए चिकित्सक अधिकारिता जागरूकता अभियान का श्रीगणेश किया गया, इस अभियान के अन्तर्गत मण्डल स्तर पर सभायें की गयी चिकित्सकों से सीधे संवाद स्थापित किया गया उनको जागरूक किया गया जहां जो भ्रांतियां थी उनको दूर

शेष पेज 2 पर

लक्ष्य पाना प्राथमिकता
हर स्तर पर होंगे प्रयास
निर्णयों की होगी समीक्षा
आन्दोलन का स्वरुप बदलेगा
अनिश्चितता का कोई स्थान नहीं
परिणाम से कम पर नहीं समझौता
चिकित्सकों का सम्मान ज़िन्दा रहेगा

मान्यता पानी है तो सोच एवं नीति बदलनी होगी .....

किसी भी चिकित्सा पद्धति से जुड़े चिकित्सकों की यह इच्छा होती है कि वह जिस चिकित्सा पद्धति से जुड़ा है उस चिकित्सा पद्धति को पूर्ण वैधानिक दर्जा मिले और मान्यता मिले जिससे कि वह सर उठाकर कह सके कि वह जिस चिकित्सा पद्धति का चिकित्सक है वह अन्य चिकित्सा पद्धतियों से किसी भी तरह से कम नहीं है, इसे हम विडम्बना ही कहेंगे कि लगभग ढेड़ सौ वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पूरे विश्व में प्रचलित है।

इस चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक लगातार इस चिकित्सा विधा का प्रयोग करते हुए लोगों को स्वास्थ्य लाभ दे रहे हैं लेकिन अभी तक इस पद्धति को मान्यता के दर्शन नहीं हुए, भारत वर्ष में भी यह चिकित्सा पद्धति चरम पर रही है लाखों की संख्या में इस विधा के जानकार अपनी अपनी क्षमता से इस विधा का प्रयोग करते हुए जन स्वास्थ्य में अपनी सहभागिता कर रहे हैं, सामान्य व्याधियों से लेकर गम्भीर बीमारियों को ठीक करने का दावा हमारे चिकित्सकों ने ठोंका और कसौटी पर खरे भी उतरे।

कुष्ठ और कैंसर जैसी असाध्य बीमारी पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने जो चमत्कारिक परिणाम दिये वह चौंकाने वाले थे कुछ चिकित्सकों ने एडस पर भी सफ़लता का दावा किया है भले शत प्रतिशत सफ़लता न मिली हो परन्तु कुछ तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने प्रभाव डाला ही है, इस तरह से कार्य हो रहा है लेकिन सरकार द्वारा अभी तक किसी भी अधिकरण न गठित होने के कारण हमारे कार्यों का मूल्यांकन नहीं हो पा रहा है इसी के कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कार्य के आधार पर वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जो मिलना चाहिये, इसका दुष्परिणाम यह है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के आन्दोलन की धार लगातार कुंद पड़ती जा रही है ज्यों–ज्यों समय बीतता जा रहा है सरकार मान्यता की तरफ़ ध्यान नहीं दे रही है, मान्यता हमारा अधिकार है, मान्यता हमें मिलनी ही चाहिये लेकिन बदली परिस्थिति में मान्यता कैसी ली जाये ? इस पर हमें नये सिरे से विचार करना होगा मान्यता पर जो परम्परागत ढर्रे हैं, जिनपर हम सब कार्य कर रहे हैं, धीरे–धीरे वह प्रभावहीन होते जा रहे हैं धरना देकर, प्रर्दशन करके, आन्दोलन करके, सरकार का ध्यानाकर्षण तो किया जा सकता है लेकिन किसी परिणाम की अपेक्षा नहीं की जा सकती है।

आप ज़्यादा धरना प्रर्दशन करेंगे सरकार एक कमेटी गठित कर देगी मान्यता की रिपोर्ट मांगेगी और वर्षों का समय नष्ट कर देगी, जब ज़्यादा दबाव पड़ता है तो सरकार एक मान्यता बिल प्रस्तुत कर देती है वर्षों पड़े रहने के बाद भी उसपर कोई चर्चा नहीं होती है फ़ाइलों का ढेर बढ़ता जाता है, धूल की परत मोटी होती जाती है, लेकिन मान्यता का प्रकरण जहाँ था वहीं खड़ा रहता है।

हमारे कुछ साथी बड़ा प्रयास करते हैं सांसदों विधायकों से मिलते हैं प्रश्नकाल में प्रश्न उठवाते हैं पर होता क्या है ? पिछले दिनों कुछ लोगों ने फिर ऐसे ही प्रयास किये प्राईवेट मेम्बर बिल के सहारे मान्यता का मुद्दा उठाने का प्रयास किया गया, फ़ोटो खिंचवाई गयी, सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया, पर हुआ क्या ? यह एक ऐसा विषय है जिस पर हम सबको बैठकर परस्पर विद्वेष मिटाकर गम्भीर चिन्तन करना होगा यदि अब भी हमने ऐसा नहीं किया तो पीढ़ियां गुज़र जायेंगी और हम मान्यता की आस लगाये ही बैठे रहेंगे।

हमें विचार करना चाहिये कि योगा और सोवा रिग्पा जैसी पद्धतियों को मान्यता कैसे मिली ? न कोई शोर, न कोई आन्दोलन, न कोई धूम–धड़ाका एक प्रस्ताव आया सरकार का समर्थन मिला और मान्यता मिल गयी इसलिए हमें अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा पूरानी सोच को बदलना होगा और नये उत्साह के साथ मान्यता की तरफ बढ़ना होगा अब वह निर्णायक समय आ गया है जब सामुहिक स्तर पर ऐसा नीतिगत निर्णय लिया जाये जो सकारात्मक हो और उपयोगी भी हो।

2025 में लक्ष्य को प्राप्त करके

प्रथम पेज से आगे

दूर करने का यथा सम्भव प्रयास ही नहीं बल्कि पूर्ण रूप से समाधान करने का काम किया गया परन्तु इसमें हमें वह सफ़लता नहीं मिली, कारणो के तह में जाने के बाद जो कुछ सामने आता है वह हमें यही प्रेरित करता है कि अभी भी जमीनी स्तर तक कार्य करने की आवश्यकता है।

यदि हम यह कार्य संस्कृति प्रभावी कर पाये तो सफ़लता में कोई सन्देह नहीं है किसी भी कार्य को एक निश्चित समय के अन्दर पूरा हो जाना चाहिये क्योंकि सब्र की एक सीमा होती है और सीमायें टूटती हैं तो उनके परिणाम गम्भीर ही होते हैं इसलिये जितनी जल्दी हो हम सबको प्रयास करके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जुट जाना चाहिये, डा0 इदरीसी ने आगे कहा कि हमारी दृष्टि मात्र उत्तर प्रदेश के लिए ही नहीं है हम इसे राष्ट्रीय स्तर पर फलतः फूलता देखना चाहते हैं, इस दिशा में भी हम काम कर रहे हैं भारत सरकार से हम लगातार पत्र व्यवहार कर रहे हैं और सकारात्मक दृष्टि के साथ आगे का रास्ता तय करने का प्रयास भी कर रहे हैं आज से 13 वर्ष पूर्व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के प्रयासों से भारत सरकार ने 21 जून, 2011 को जो ऐतिहासिक आदेश पारित किया था वह इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के इतिहास में मील का पत्थर है, इस ऐतिहासिक आदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक आन्दोलन की तसवीर बदल कर रख दी है, वर्षों के प्रयासों के बाद हमें जो मिला है वह संजो कर रखने के लिए नहीं मिला है परन्तु इस आदेश का जितना अधिक से अधिक प्रचार किया जाये व अधिक से अधिक राज्यों में इस आदेश का अनुपालन करवाया जाये क्योंकि यह आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा व अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त करता है इसलिए इस आदेश को प्रभावी बनाने के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया प्रतिबद्ध है और यह उम्मीद करती है कि आने वाले महीने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए नई दिशा निर्धारित करेंगे, उत्तर प्रदेश सरकार की तरह ही केन्द्र सरकार भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई स्थायी और प्रभावी नीति निर्धारित कर देश के लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथों के साथ न्याय करेगी।

अन्त में मैं अपने बोर्ड के सभी साथियों व पदाधिकारियों का हृदय से सम्मान करते हुए प्रदेश के सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथों को नव वर्ष की बधाई देता हूँ तथा यह उम्मीद करता हूँ कि पूर्व की भाँति सभी का सहयोग प्राप्त करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे, आदेश के अनुपालन में अब इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का पंजीयन बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा नियुक्त ज़िला प्रभारी/क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सुचारु रुप से किया जा रहा है, परिस्थितियां और समय बदल रही हैं एक तरफ़ तो हम मान्यता की तरफ़ बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ़ हम अपने कार्य के प्रति गम्भीर भी नहीं दिख रहे हैं, कभी–कभी तो ऐसा लगने लगता है कि आखिर हमारे साथियों को हो क्या गया है वे पहले ऐसे तो नहीं थे, इनकी सोच आखिर इतनी दुर्बल क्यों हो गयी है! इन्हीं सब बातों को देखते हुए बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के गृह जनपद गोरखपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अनेक कैम्प भी अपने अनुभवी चिकित्सकों की देख रेख में आयोजित कराये यह प्रदेश सरकार के भी संज्ञान में है, जब सरकार लगभग हर विषय पर सकारात्मक निर्णय ले रही है तब प्रदेश के हजारों इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कोई ऐसा निर्णय ले जो इन चिकित्सकों को भी सेवा का अवसर मिल जाये जोकि दूरगामी होने के साथ–साथ हजारों चिकित्सकों के लिए हितकारी भी हो।

माननीय मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर वर्ग, व्यवसायिक तथा पेशेवर खुशहाल हो इसके लिये वह सदैव तत्पर रहते हैं तथा समय समय पर मुक्त कण्ठ से सभी प्रदेश वासियों को प्रेरित करते किया करते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया EHMAI के पदाधिकारियो का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की जिला कमेटी का गठन जिला लखीमपुर स्थित कार्यालय माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में संचालक EH डॉ0 राकेश शर्मा व बोर्ड के ज़िला प्रभारी EH डॉ0 अमित विश्वकर्मा के दिशानिर्देश में बोर्ड की जिला कमेटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर EH डॉ0 मनजीत कश्यप जी का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया तद्पोरांत अध्यक्ष जी की उपस्थिति में संगठन के उपाध्यक्ष म्र डॉ आयशा एजाज, EH डॉ0 उत्कर्ष शर्मा महामंत्री, EH डॉ0 देवेश त्रिवेदी कोषाध्यक्ष, EH डॉ0 अंशिका गुप्ता मंत्री, EH डॉ0 श्याम जी गुप्ता, EH डॉ0 मीरा मिश्रा संयुक्त मंत्री, EH डॉ0 अर्चना विश्वकर्मा का पद पर मनोनयन किया गया उसके पश्चात सभी पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई गयी।

इस मौके पर इन्सटीट्यूट प्रभारी EH डॉ0 राकेश शर्मा जी ने अपने संबोधन में नव गठित जिला कमेटी के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

लखीमपुर में माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य EH डा0 राकेश शर्मा द्वारा नव गठित इहमाई युनिट लखीमपुर के पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये — छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्यापैथी

से सम्बंधित नवीन समाचारों हेतु पढ़ें

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

नव वर्ष मंगलमय हो

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

JANUARY 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

FEBRUARY 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

MARCH 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

APRIL 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

MAY 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

Dr. Count Ceasure Mattei 11th. January, 1809

JUNE 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

JULY 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

AUGUST 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

SEPTEMBER 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

OCTOBER 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

NOVEMBER 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

DECEMBER 2025

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
4	8	9	10	11	12	13
11	15	16	17	18	19	20
18	22	23	24	25	26	27
25	29	30	31			

Un forgettable dates

- 04 January → Adhikar Diwas
- 11 January → Mattei Diwas
- 03 April → Mattei Nirwan Diwas
- 24 April → Board's Foundation Day
- 21 June → Vijay Diwas
- 25 July → EHMAI Foundation Day
- 04 September → Mattei Nirwan Diwas
- 30 November → Prerna Diwas

(Dr. N.L. Sinha Jayanti)